# ओपेक और ओपेक+

## प्रसंग

हाल ही में, ओपेक के शीर्ष अधिकारी ने देशों से दुनिया की भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए तेल में और अधिक निवेश करने का आग्रह किया तथा जलवायु नीतियों को और अधिक "संतुलित और निष्पक्ष" होने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

## मुख्य विशेषताएं:

- जीवाश्म ईंधन के संबंध में कुछ पश्चिमी सरकारों और कंपनियों के नीतिगत परिवर्तन के मध्य ओपेक का यह वक्तव्य महत्वपूर्ण है ।
- पिछले वर्ष फरवरी में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद तेल, प्राकृतिक गैस और कोयले की कीमतों में वृद्धि हुई, जिससे कई देशो ने ऊर्जा सुरक्षा नीति को प्राथमिकता दी।

## ओपेक

- 1960 में स्थापित।
- ओपेक एक स्थायी, अंतर-सरकारी संगठन है।

**संस्थापक सदस्य :** ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला।

- तब से ओपेक का विस्तार हुआ है और अब इसमें 13 सदस्य हैं। अन्य ओपेक सदस्य हैं: यूएई, अल्जीरिया, अंगोला, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, लीबिया, नाइजीरिया और कांगो गणराज्य हैं।
- मुख्यालय - वियना (ऑस्ट्रिया)
- 13 सदस्य देशों के पास वैश्विक तेल उत्पादन का अनुमानित 44% प्रतिशत और दुनिया के तेल भंडार का 81.5 प्रतिशत हिस्सा है।
- ओपेक की सदस्यता किसी भी देश के लिए खुली है जो तेल का पर्याप्त निर्यातक है और जो संगठन के आदर्शों को मान्यता देता है।

## उद्देश्य:

- ❖ इसके सदस्य देशों की पेट्रोलियम नीतियों का समन्वय और एकीकरण करना।
- ❖ □ उपभोक्ताओं को पेट्रोलियम की कुशल, किफायती और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तेल बाजारों का स्थिरीकरण सुनिश्चित करें।
- ❖ □ पेट्रोलियम उद्योग में निवेश करने वालों के लिए उत्पादकों के लिए एक स्थिर आय और पूंजी पर उचित रिटर्न।

## ओपेक+

- ओपेक प्लस को 2016 में बनाया गया था जब ओपेक देशों ने तेल के वैश्विक उत्पादन में कटौती करने के लिए समूह के बाहर अन्य तेल उत्पादक देशों के साथ गठबंधन करने का निर्णय किया था।
- गैर-ओपेक देश जो 13 ओपेक के साथ-साथ कच्चे तेल का निर्यात करते हैं, उन्हें ओपेक प्लस देश कहा जाता है।
- ओपेक प्लस देशों में अजरबैजान, बहरीन, ब्रुनेई, कजाकिस्तान, मलेशिया, मैक्सिको, ओमान, रूस, दक्षिण सूडान और सूडान शामिल हैं ।

# हस्तांतरण मूल्य निर्धारण

## प्रसंग

हाल ही में, दिल्ली और मुंबई में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) के परिसरों में आयकर विभाग का सर्वेक्षण किया गया।

**आरोप**

- बीबीसी पर आरोप है कि वह "लगातार और जानबूझकर ट्रांसफर प्राइसिंग नियमों का उल्लंघन करता रहा है।
- इसने "जानबूझकर भारी मात्रा में लाभ को हस्तांतरित किया है।
- इसने लाभ के आवंटन में "एक हाथ की दूरी की व्यवस्था" का पालन नहीं किया है।

**ट्रांसफर प्राइसिंग:**

- ट्रांसफर प्राइसिंग आम तौर पर संबंधित उद्यमों के बीच लेनदेन की कीमतों को संदर्भित करता है जो स्वतंत्र उद्यमों के बीच होने वाली परिस्थितियों से भिन्न स्थितियों में हो सकता है।
- क्रियाविधि: मान लीजिए कि एक कंपनी A 100 रुपये में सामान खरीदती है और इसे अपनी संबद्ध कंपनी B को दूसरे देश में 200 रुपये में बेचती है, जो बदले में खुले बाजार में 400 रुपये में बेचती है।
- यदि A ने इसे प्रत्यक्ष रूप से बेचा होता, तो यह होता 300 रुपए का मुनाफा कमाता । लेकिन A ने B के माध्यम से रूट करके, अपने लाभ को 100 रूपए पर सीमित कर लिया तथा B को शेष राशि को विनियोजित करने की अनुमति दी।

ए और बी के बीच लेन-देन व्यवस्थित है और बाजार की ताकतों द्वारा नियंत्रित नहीं है।

- **ट्रांसफर प्राइसिंग का प्रभाव**: ट्रांसफर प्राइसिंग का प्रभाव यह है कि मूल कंपनी या एक विशिष्ट सहायक कंपनी अपने कर देयता से बच जाती है।

**आर्म्स लेंथ प्राइस:**

- आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 92F(ii) इसे परिभाषित करती है।
- आर्म्स लेंथ प्राइस "एक ऐसी कीमत है जो अनियंत्रित स्थितियों में संबंधित उद्यमों के अलावा अन्य व्यक्तियों के बीच लेनदेन में लागू या लागू करने के लिए प्रस्तावित है।
- धारा 92सी(1) कहती है कि हाथ की लंबाई निम्नलिखित विधियों में से "सबसे उपयुक्त" द्वारा निर्धारित की जाएगी-
  - तुलनीय अनियंत्रित मूल्य विधि।
  - पुनर्विक्रय मूल्य विधि।
  - लागत प्लस विधि।
  - लाभ विभाजन विधि।
  - लेन-देन शुद्ध मार्जिन विधि।
  - ऐसी अन्य विधि जो बोर्ड द्वारा निर्धारित की जा सकती है"।

# भू-विरासत स्थल और भू-अवशेष विधेयक

**प्रसंग**

खान मंत्रालय द्वारा अधिसूचित भू-विरासत स्थलों और भू-अवशेष (संरक्षण और रखरखाव) विधेयक के मसौदे के लिए टिप्पणियों और सुझावों को भेजने की समय सीमा 14 फरवरी 2023 तक निर्धारित की गई थी।

**मुख्य विशेषताएं:**

इस विधेयक का उद्देश्य भूवैज्ञानिक अध्ययन, शिक्षा, अनुसंधान और जागरूकता उद्देश्यों के लिए भू-विरासत स्थलों और राष्ट्रीय महत्व के भू-अवशेषों की घोषणा,

**भू-विरासत स्थल और भू-अवशेष विधेयक क्या कहता है?**

- बिल कहता है कि इन स्थलों की पहचान करने के बावजूद इनके संरक्षण को लेकर चिंताएं हैं।

संरक्षण, संरक्षण और रखरखाव प्रदान करना है।

**भू-विरासत स्थल और भू-अवशेष क्या हैं?**

- ड्राफ्ट बिल भू-विरासत स्थलों को "भू-अवशेषों और घटनाओं, स्ट्रेटिग्राफिक प्रकार के वर्गों, भूवैज्ञानिक संरचनाओं और गुफाओं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय हित की प्राकृतिक रॉक-मूर्तियों सहित भौगोलिक भू-आकृति वाले स्थलों" के रूप में परिभाषित करता है; और साइट से सटे भूमि के ऐसे हिस्से को शामिल करता है, जो उनके संरक्षण या ऐसी साइटों तक पहुंच के लिए आवश्यक हो ।
- भू-अवशेष को "भौगोलिक महत्व या तलछट, चट्टानों, खनिजों, उल्कापिंड या जीवाश्म जैसे किसी भी अवशेष या सामग्री" के रूप में परिभाषित किया गया है।
- जीएसआई के पास " भू-अवशेष तथा इसके संरक्षण और रखरखाव "" करने की शक्ति होगी।
- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) संरक्षण और रखरखाव के लिए भू-विरासत स्थलों/राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक स्मारकों की घोषणा करता है।
- 13 राज्यों में फैले 32 भू-विरासत स्थलों में आंध्र प्रदेश के कुड्डापा जिले में मंगमपेटा के ज्वालामुखियों वाले बेडेड बेराइट्स, जैसलमेर, राजस्थान में अकाल फॉसिल वुड पार्क और अन्य शामिल हैं।
- • खान मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले जीएसआई की स्थापना 1851 में क्षेत्रीय स्तर के अन्वेषण के माध्यम से देश के कोयले और अन्य खनिज संसाधनों की जांच और आकलन करने के लिए की गई थी।
- भू-विरासत स्थलों की सुरक्षा, संरक्षण और रखरखाव के लिए राष्ट्रीय कानून की अनुपस्थिति के कारण, उन्हें प्राकृतिक क्षरण, जनसंख्या दबाव और बदलती सामाजिक और आर्थिक स्थितियों से खतरा है।
- विधेयक में कहा गया है कि, "मध्य प्रदेश और गुजरात के डायनासोर की जीवाश्म संपदा बनी हुई है, कच्छ और स्पीति के समुद्री जीवाश्म ... सबसे पुराने जीवन रूप हैं। राजस्थान और मध्य प्रदेश के स्ट्रोमैटोलाइट्स... महान भू विरासत और भू पर्यटन मूल्य के हैं।
- राजस्थान और आंध्र प्रदेश में सोने, सीसा और जस्ता के दुनिया के सबसे पुराने धातुकर्म रिकॉर्ड अभी भी संरक्षित हैं परन्तु इनपर संकट बढ़ रहा है।

**प्रमुख प्रस्ताव क्या हैं?**

- यह केंद्र सरकार को भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन अधिनियम, 2013 (RFCTLARR अधिनियम) में उचित मुआवजे और पारदर्शिता के अधिकार के प्रावधानों के तहत एक भू-विरासत स्थल को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के लिए अधिकृत करेगा।
- इस अधिनियम के तहत किसी भी शक्ति के प्रयोग के कारण भूमि से नुकसान या क्षति उठाने वाले भूमि के मालिक या कब्जा करने वाले को मुआवजे के लिए प्रावधान किया गया है।
- बिल भू-विरासत स्थल क्षेत्र के भीतर किसी भी इमारत के निर्माण, पुनर्निर्माण, मरम्मत या नवीनीकरण पर रोक लगाता है।
- भू-विरासत स्थल में महानिदेशक, जीएसआई द्वारा जारी किए गए किसी भी निर्देश के विनाश, हटाने, विरूपण या उल्लंघन के लिए दंड का उल्लेख किया

## संक्षिप्त सुर्खियां

## काला हिरन

**प्रसंग**

- ओडिशा के गंजम जिले में काले हिरण की आबादी में तीन गुना वृद्धि हुई है
- यह स्थान 12 वर्षों से अधिक समय से राज्य में मृग परिवार के सबसे सुंदर सदस्य का एकमात्र निवास स्थान है ।

**मुख्य विशेषताएं:**

- कृष्णमृग (एंटीलोप सर्विकाप्रा) को भारतीय मृग के रूप में जाना जाता है।
- यह मृग भारत और नेपाल का मूल निवासी है।
- पर्यावास: यह बारहमासी जल स्रोतों के साथ घास के मैदानों और हल्के जंगलों वाले क्षेत्रों में निवास करता है।
- वितरण: मृग भारत का मूल निवासी है और मुख्य रूप से भारत में पाया जाता है, यह पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से विलुप्त हो चुका है ।
- आहार: काला हिरण एक शाकाहारी है और कम घास पर चरता है, कभी-कभी ब्राउज़ भी करता है।
- खतरा: 20वीं शताब्दी के दौरान, अत्यधिक शिकार, वनों की कटाई और निवास स्थान के क्षरण के कारण काले हिरणों की संख्या में तेजी से गिरावट आई।
- **संरक्षण की स्थिति:**
  - IUCN लाल सूची- नियर थ्रेंटेड
  - वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972- अनुसूची 1

## हैजा रोग

**प्रसंग**

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, जलवायु परिवर्तन अफ्रीकी देशों में हैजा के प्रभाव को बढ़ा सकता है।

**मुख्य विशेषताएं:**

- विश्व स्तर पर हैजे के मामले बढ़ रहे हैं और जनवरी 2022 से दुनिया भर के 31 देशों में इस बीमारी के प्रकोप की सूचना मिली है।
- लगभग आधे या 15 देश अफ्रीका में हैं।
- इस महाद्वीप में इस दशक का सबसे खराब हैजा संकट देखने को मिल सकता है, जो मौसम की घटनाओं और खराब जल आपूर्ति और स्वच्छता बुनियादी ढांचे से प्रेरित है।

**हैजा रोग के बारे में:**

- हैजा अतिसार का एक तीव्र संक्रमण है।
- वेक्टर : यह विब्रियो कोलराबैक्टीरिया से दूषित भोजन या पानी के अंतर्ग्रहण के

कारण होता है ।

- लक्षण :
  - यह गंभीर तीव्र पानी जैसे दस्त का कारण बन सकता है।
  - दूषित भोजन या पानी खाने के बाद किसी व्यक्ति में लक्षण दिखने में 12 घंटे से लेकर 5 दिनों तक का समय लगता है।
  - हैजा बच्चों और वयस्कों दोनों को प्रभावित करता है और यदि अनुपचारित रहा तो कुछ घंटों के भीतर मृत्यु हो सकती है।

**• रोकथाम और नियंत्रण**:

- निगरानी, पानी, स्वच्छता और स्वच्छता, सामाजिक लामबंदी, उपचार और मौखिक हैजा के टीकों के संयोजन का उपयोग किया जाता है।
- वर्तमान में, तीन WHO प्री-क्वालिफाइड ओरल हैजा वैक्सीन (OCV) हैं - डुकोरल, शांचोल और यूविचोल-प्लस।
- सभी तीन टीकों को पूर्ण सुरक्षा के लिए दो खुराक की आवश्यकता होती है।

**• साइड नोट:** अक्टूबर 2017 में, हैजा नियंत्रण पर वैश्विक टास्क फोर्स (GTFCC) भागीदारों ने हैजा नियंत्रण के लिए हैजा समाप्त: 2030 के लिए एक वैश्विक रोडमैप नामक एक रणनीति शुरू की। रणनीति का लक्ष्य हैजा से होने वाली मौतों को 90% तक कम करना और 2030 तक 20 देशों में हैजा को खत्म करना है।

## पहल- INDIAai

**प्रसंग**

चैटजीपीटी द्वारा लाए गए एआई में क्रांतिकारी परिवर्तन की पृष्ठभूमि के खिलाफ, सरकार भारतीय तकनीकी कंपनियों, स्टार्ट-अप और शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी में इंडियाआई पहल का विस्तार कर रही है।

**INDIAai पहल:**

- INDIAai भारत का एक राष्ट्रीय AI पोर्टल है जिसे 28 मई 2020 को लॉन्च किया गया था।
- यह एक वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म या "एकीकृत एआई पारिस्थितिकी तंत्र" है जो भारत और दुनिया में एआई विकास पर सभी संसाधनों को उद्यमियों, छात्रों और शिक्षाविदों के लिए प्रदान करता है।
- यह इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (MeitY), नेशनल ई-गवर्नेंस डिवीजन (NeGD) नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज (NASSCOM) द्वारा स्थापित किया गया है।
- भारत "भारत में एआई बनाने और एआई को भारत के लिए काम करने" के

दोहरे उद्देश्यों के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में सक्रिय है।

**उद्देश्य और विशेषताएं:**

- प्लेटफॉर्म भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एआई स्टार्टअप्स, एआई कंपनियों और शैक्षिक फर्मों के लिए लेख, समाचार, साक्षात्कार और निवेश फंडिंग समाचार और घटनाओं जैसे संसाधनों को प्रकाशित करता है।
- यह एआई से संबंधित दस्तावेज, केस स्टडी, शोध रिपोर्ट भी वितरित करता है और शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करता है।
- चैटजीपीटी ओपनएआई द्वारा विकसित एक चैटबॉट है और नवंबर 2022 में लॉन्च किया गया।
- चैटजीपीटी एक बड़ा भाषा मॉडल है जो मनुष्यों के साथ प्राकृतिक भाषा की बातचीत में संलग्न होने के लिए कृत्रिम बुद्धि का उपयोग करता है।
- यह टेक्स्ट डेटा के एक विशाल कॉर्पस पर प्रशिक्षित है और उपयोगकर्ता इनपुट के लिए प्रतिक्रिया उत्पन्न करने के लिए गहन शिक्षण एल्गोरिदम का उपयोग करता है।

## नैनो यूरिया

**प्रसंग**

केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री ने उत्तर प्रदेश के आंवला और फूलपुर में इफको नैनो यूरिया तरल संयंत्रों का उद्घाटन किया।

**नैनो यूरिया लिक्विड के बारे में:**

- इफको नैनो यूरिया भारत सरकार द्वारा अनुमोदित और उर्वरक नियंत्रण आदेश (एफसीओ) में शामिल एकमात्र नैनो उर्वरक है।
- यह इफको द्वारा विकसित और पेटेंट किया गया है। नैनो यूरिया की 1 बोतल का प्रयोग प्रभावी रूप से कम से कम 1 बैग यूरिया की जगह ले सकता है।
- आईसीएआर-केवीके, अनुसंधान संस्थानों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और भारत के प्रगतिशील किसानों के सहयोग से 1,000 स्थानों पर 90 से अधिक फसलों पर इसका परीक्षण किया गया है।
- जब पत्तियों पर छिड़काव किया जाता है, तो नैनो यूरिया रंध्रों और अन्य छिद्रों के माध्यम से आसानी से प्रवेश कर जाता है और पौधों की कोशिकाओं द्वारा आत्मसात कर लिया जाता है।
- यह फ्लोएम के माध्यम से स्रोत से संयंत्र के अंदर सिंक तक आसानी से वितरित किया जाता है
- अप्रयुक्त नाइट्रोजन को पौधे की रसधानी में संग्रहित किया जाता है और पौधे की उचित वृद्धि और विकास के लिए धीरे-धीरे छोड़ा जाता है। नैनो यूरिया के

छोटे आकार (20-50 एनएम) से फसल के लिए इसकी उपलब्धता 80% से अधिक बढ़ जाती है।

## मारबर्ग वायरस

**प्रसंग**

इक्वेटोरियल गिनी ने मारबर्ग वायरस रोग के अपने पहले प्रकोप की पुष्टि की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पश्चिमी अफ्रीकी देश में प्रकोप की पुष्टि की।

**मारबर्ग वायरस के बारे में**:

- मारबर्ग वायरस फाइलोवायरस परिवार का हिस्सा है ( जिसमें इबोला वायरस भी शामिल है ) जिससे अफ्रीकी महाद्वीप प्रायः प्रभावित रहा है ।
- यह अत्यधिक खतरनाक रोगज़नक़ है जो गंभीर बुखार का कारण बनता है जिसमें अक्सर रक्तस्राव शामिल होता है। वायरस अक्सर कई अंगों को निशाना बनाता है और शरीर की अपने आप काम करने की क्षमता को कम कर देता है। मारबर्ग के इलाज के लिए कोई अधिकृत टीके या दवाएं नहीं हैं।
- मारबर्ग विषाणु का प्राकृतिक वाहक अफ्रीकी फल चमगादड़ है, जो विषाणु को वहन करता है लेकिन इससे बीमार नहीं होता है और यह विषाणु को मनुष्यों तक पहुंचा सकता है।
- मानव-से-मानव संचरण तब रक्त या अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के संपर्क के माध्यम से होता है।
- दुर्लभ वायरस की पहली बार 1967 में मारबर्ग, जर्मनी और बेलग्रेड, सर्बिया की प्रयोगशालाओं में पहचान की गई थी, इसलिए इसे मारबर्ग वायरस कहा जाता है।

## अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन

**प्रसंग**

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और पश्चिम अफ्रीकी पावर पूल ने सौर परिनियोजन में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए नई दिल्ली में 13 अफ्रीकी देशों की मेजबानी की।

**अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के बारे में:**

- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन 114 सदस्य और हस्ताक्षरकर्ता देशों वाला एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।
- यह दुनिया भर में ऊर्जा पहुंच और सुरक्षा में सुधार के लिए सरकारों के साथ काम करता है और कार्बन-तटस्थ भविष्य के लिए एक स्थायी संक्रमण के रूप में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- आईएसए का मिशन 2030 तक सौर में 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश को अनलॉक करना है , प्रौद्योगिकी और इसके वित्तपोषण की लागत को कम

| | |
|---|---|
| | करना।<br>• 6 दिसंबर 2017 को 15 देशों द्वारा आईएसए फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर और अनुसमर्थन के साथ, आईएसए भारत में मुख्यालय वाला पहला अंतरराष्ट्रीय अंतर-सरकारी संगठन बन गया। |
| **रेल कौशल विकास योजना**<br> | **<u>प्रसं</u>ग**<br>भारतीय रेलवे रेल कौशल विकास योजना के तहत 15000 से अधिक उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान करता है।<br>**<u>मुख्य विशेषताएं:</u>**<br>• इस योजना के तहत, चौदह (14) उद्योग प्रासंगिक तकनीकी ट्रेडों जैसे इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, मशीनिस्ट, और फिटर आदि में 94 प्रशिक्षण स्थानों पर प्रशिक्षण दिया जाता है, जो आम तौर पर दूरस्थ स्थानों सहित एक से अधिक राज्य / केंद्र शासित प्रदेशों में फैले होते हैं।<br>• देश के किसी भी हिस्से से उम्मीदवार इस प्रशिक्षण में शामिल हो सकते हैं। उम्मीदवारों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान की जाती है।<br>• इस योजना के तहत रोजगार देने का कोई प्रावधान नहीं है।<br>• हालांकि, यह योजना भारत के बेरोजगार युवाओं के लिए एक कौशल विकास कार्यक्रम है, जो उनकी रोजगार क्षमता और उद्यमिता को बढ़ाने के लिए विभिन्न ट्रेडों में तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करता है। |

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare